Title: Problems due to stray Dogs and animals.

डॉ. एस. टी. हसन (मुरादाबाद) : महोदय, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान अपने क्षेत्र की एक बहुत बड़ी समस्या की तरफ दिलाना चाहता हूं। आवारा गायें और आवारा जानवर किसानों के लिए मुसीबत बन चुके हैं। रामपुर और मुरादाबाद क्षेत्र के अंदर 100-200 गायें एक ही गांव में चरती हैं। छोटे किसानों ने गेहूं की फसल नहीं लगाई है या फिर वे रात-रात भर जागते हैं या आपस में लड़ते हैं और एक-दूसरे के ऊपर इल्जाम लगाते हैं। इन गायों की वजह से जो दुर्घटनाएं होती हैं, उसमें दुर्घटनाएं तो होती ही होती हैं, इसके साथ ही साथ जो तथाकथित गौ रक्षक हैं, जो अटेंशन सीकर्स हैं, वे आ जाते हैं। वे उन पर इल्जाम डालते हैं और उनको मारने की कोशिश करते हैं।

महोदय, आप भी उत्तर प्रदेश से आते हैं। वहां कुत्तों की बहुत बड़ी समस्या है। आप हर हफ्ते अखबार में कोई न कोई खबर पढ़ते होंगे कि मासूम बच्चों को कुत्तों ने नोच लिया, जान से मार दिया। जब मैं मुरादाबाद का मेयर था।?(व्यवधान) उनको जंगल में भेजा जा सकता है। कुत्ते, बंदर और गायों तक को भी वहां भेजा जा सकता है। वहां उनके रहने का इंतजाम करना चाहिए।